प्रदेश के बांध बनेंगे पर्यटन स्थल

अमर उजाला ब्यूरो

सात बांधों और जलाशयों में जलक्रीड़ा गतिविधियों को दिया जाएगा बढ़ावा

सिंचाई और जल संसाधन विभाग तकनीकी सहयोग व आवश्यक अनुमति दिलाएगा

लखनऊ। प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार विभिन्न बांधों और जलाशयों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करेगी। इसके तहत चित्रकूट, महोबा, सोनभद्र, हमीरपुर, झांसी, सिद्धार्थनगर और बांदा स्थित सात प्रमुख बांधों और झीलों पर अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इन पर जल और साहसिक क्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा देने में सिंचाई व जल संसाधन विभाग का सहयोग लिया जाएगा।

सरकार ने जिन बांधों और जलाशयों को ईको टूरिज्म के लिए चुना है। उनमें चित्रकूट में गुंता बांध, महोबा में अर्जुन डैम, सोनभद्र में धंधरौल डैम, हमीरपुर में मौदहा डैम, झांसी में गढ़मऊ झील, सिद्धार्थनगर में मझौली सागर और बांदा में नवाब टैंक को शामिल किया गया। इस पहल का उद्देश्य प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जलाशयों को पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाना है।

इससे इन स्थानों पर आधुनिक पर्यटन सुविधाओं जैसे रिसॉर्ट, बोटिंग, जलक्रीड़ा गतिविधियां, ट्रैकिंग और कैंपिंग जैसी चीजों का विकास कर पर्यटकों को आकर्षित किया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार भी पैदा होंगे। सिंचाई व जल संसाधन विभाग इन परियोजनाओं के लिए तकनीकी सहायता और आवश्यक अनुमति देगा। विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि बांधों की सुरक्षा और संरचना पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।